प्रिय विद्यार्थियों , भाषा हमारे विचारों के आदान- प्रदान का माध्यम है। हम सभी भाषा के द्वारा अपने भावों/बातों को लेखन या वाणी के माध्यम से व्यक्त करते हैं। मानव अपनी बातों/ विचारों को बोलकर अर्थात मौखिक रूप (orally) से और लिखकर अर्थात रूप (written) में प्रकट कर सकता है । भाषा ज्ञान अनुच्छेदों पर आधारित प्रश्नों को हल करने में सहायता करता है। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु आपके अभ्यास के लिए कुछ अनुच्छेद और उनसे संबंधित प्रश्नोत्तरी यहाँ दे रहे हैं।

अनुच्छेद-1

ईसा पूर्व 776 से प्रत्येक 4 वर्ष बाद यूनानवासी बहुत बड़ा उत्सव मनाया करते थें। महान देवता जियूस के सम्मान में कलाकार लेखक और खिलाड़ी एकत्रित होते थे। ओलंपिया शहर में प्रतियोगिता आयोजित की होती थी, इसलिए इस आयोजन को ओलंपिक खेल कहां जाने लगा। उन दिनों ओलंपिक खेलों के केवल खेलकूद की प्रतियोगिताएं ही नहीं थी, नाटक और कविताओं द्वारा कविता पाठ भी होते तथा साथ ही दौड़ भी होती थी। यूनान

वासियों के लिए यह खेल मन और शरीर का एकीकरण था और जीतने का प्रयास देवताओं के राजा जीयूस के प्रति सम्मान था। यह कार्यक्रम 3 दिन तक चलते थे । खिलाड़ी दौड़ते, कुश्ती लड़ते , घुड़सवारी करते और दौड़ते थे । ओलंपिक के आरंभ होते थे और पुरस्कार तथा दावत के साथ संपन्न होते थे।

अनुच्छेद से प्रश्नोत्तरी

(क) यूनानियों के लिए ओलंपिक जीतने का प्रयास करने का अर्थ था।

1- जियूज़ का सम्मान
2- खिलाड़ियों को पुरस्कार
3- ईश्वर का उपहार
4 - ओलंपिया का रिवाज

(ख) ओलंपिक खेल सर्वप्रथम किस वर्ष आयोजित हुए थे?

(1)-1976 ई. (2)- 776ई. पू.
(3)-776 ई. (4)- 1976ई. पू.

(ग)- जियूस कौन था?

1- एक महान राजा

2- एक ओलंपिक खिलाड़ी
3- एक यूनानी देवता
4- एक महान पहलवान

(घ) ओलंपिक खेलों का आयोजन किस शहर में होता था ?

1- रोम 2- पेरिस
3-जियूज 4 - ओलंपिया

(ङ) खेलों में एकीकरण होता है।

(1)- मन और शरीर का
(2)- शरीर और आत्मा का
(3)- आत्मा और ईश्वर का
(4)- ईश्वर और मन का

अनुच्छेद-2

मरूस्थलों में बहुत सारा पशु जीवन देखने को मिलता है। रात में रेगिस्तानी छिपकली अपने छिद्रों से बाहर निकलती है इसके अलावा नाना प्रकार के जहरीले सांप, बिच्छू, लोमड़ी, कीड़ों मकोड़ों और पक्षी पदेखने को मिलते हैं। सहारा,अरब और थार के मरुस्थलों में अपना सामान एक स्थान से दूसरे

स्थान तक ले जाने में ऊंटों के उपयोग स्थानीय लोगों द्वारा किया जाता है। ऊँट जिसे मरुस्थल का जहाज भी कहा जाता है यह बालू में कई किलोमीटर तक चल सकता है। इसकी आँखों की बरौनियाँ लंबी होती हैं और यह अपने नाक के छिद्रों को बंद रख सकता है इससे रेत से अपनी आंख और नाक को बचा सकता है। इसके पैर सपाठ और गद्देदार होते हैं और पीठ पर एक या दो कूबड़ होते हैं। ऊँट एक बार में कई लीटर पानी पी सकता है और उसके बाद एक सप्ताह तक बिना पानी पिए चल सकता है। मरुस्थल के निवासियों के लिए ऊँट अपरिहार्य है।

अनुच्छेद से प्रश्नोत्तरी

(क)- अनुच्छेद में 'अपरिहार्य' शब्द का अर्थ है ।

1- अनावश्यक 2- महत्वपूर्ण।

3- सार्थक। 4- आवश्यक

(ख)- इस अनुच्छेद के लिए सबसे उपयुक्त शीर्षक

कौन सा है?

1 - मरुस्थल में जीवन

2 - मरुस्थल में रात्रि जीवन

3 - मरुस्थल में ऊंट का उपयोग

4 - ऊंट मरुस्थल का जहाज

(ग)- ऊंट अपनी नाक और आंखों से रेत कैसे बचाता है?

1 - गद्देदार रेत होने से।

2- लंबी बरौनियाँ और नाक बंद रखने की क्षमता से।

3- पीठ पर एक या दो कुंबड़ होने से।

4- हफ्तों तक बिना पानी पिए जीवित रहने से।

(घ)- रात में अपना छिद्रों से कौन सा पशु बाहर निकलता है?

1- जहरीले सांप।

2- लोमड़ियाँ

3-कीड़े - मकोड़े

4- रेगिस्तानी छिपकलीयाँ

(ङ)- ऊंट एक सप्ताह से अधिक तक बिना पानी
पिए चल सकता है, क्योंकि

1- इसकी क्षमता रेत में कई किलोमीटर तक चल सकने की होती है।

2- इसके पैर गद्देदार होते हैं।

3- यह एक बार में कई लीटर पानी पी सकता है।

4- इसके एक या दो कूबड़ होते हैं।

उत्तर शीट

अनुच्छेद-1

(क) 1 (ख) 3 (ग) 3 (घ) 4 (ङ) 1

अनुच्छेद-2

(क) 4 (ख) 1 (ग) 2 (घ) 4 (ङ)3